|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| 1 | Nama Kursus | **TARIKH AL-TASYRI’ AL-ISLAMI** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 2 | Kod Kursus | ASY 2123 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 3 | Nama Staf Akademik | NAMA : RADIN SERI NABAHAH AHMAD ZABIDI  KELULUSAN : Sarjana Muda Pengajian Islam Dan Bahasa Arab (Syariah )  UNIVERSITI : Al-Azhar, Mesir  TAHUN BERGRADUAT : 2002 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 4 | Rasional kursus dimasukkan dalam program ini | Kursus ini memperkenalkan pelajar kepada konsep syariat, fiqh dan tasyri’. Kursus ini juga memperjelaskan tahap-tahap perundangan dalam sejarah pemikiran Islam serta membincangkan kesan-kesan dan sumber-sumber perundangan pada setiap zaman. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 5 | Semester dan tahun ditawarkan | Semester 4, Tahun 2 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 6 | Jumlah masa belajar pelajar (SLT)  K: Kuliah  T: Tutorial  P: Praktikal  L: Lain-lain | Aktiviti Pengajaran dan Pembelajaran | | | | | | | | | | | | | | | | Jam Belajar Pelajar (SLT) (jam) | | | | | | | | | | |
| Pembelajaran Bersemuka | | Tumpuan Pensyarah | | | | | | | Kuliah | | | | | | | 28 | | | | | 49 | | | | | |
| Aktiviti Tumpuan Pelajar (*SCA*) | | | | | | | Praktikal/Makmal | | | | | | |  | | | | |
| Tutorial | | | | | | | 21 | | | | |
| Lain-lain | | | | | | |  | | | | |
| Lain-lain | | | | | | | | | | | | | |  | | | | |
| Pembelajaran Kendiri | | Tidak bersemuka atau Pembelajaran Tumpuan Pelajar(SCL) | | | | | | | Manual | | | | | | |  | | | | | 63 | | | | | |
| Tugasan | | | | | | | 14 | | | | |
| Modul | | | | | | |  | | | | |
| Projek | | | | | | |  | | | | |
| Perbincangan Berkumpulan | | | | | | | 7 | | | | |
| Lain-lain | | | | | | |  | | | | |
| Ulangkaji | | | | | | | | | | | | | | 28 | | | | |
| Persediaan Penilaian | | | | | | | | | | | | | | 14 | | | | |
| Lain-lain | | | | | | | | | | | | | |  | | | | |
| Penilaian Formal | | Penilaian Berterusan | | | | | | | Kuiz | | | | | | | 1 | | | | | 8 | | | | | |
| Ujian | | | | | | | 2 | | | | |
| Makmal | | | | | | |  | | | | |
| Peperiksaan Akhir | | | | | | | | | | | | | | 2.5 | | | | |
| Lain-lain | | | | | | | | | | | | | | 2.5 | | | | |
| **Jumlah SLT** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | **120** | | | | | |
| 7 | Nilai Kredit | 3 jam kredit (2 jam kredit kuliah + 1 jam kredit *SCA*) | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 8 | Pra Syarat | Tiada | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 9 | Objektif Kursus | 1. Menjelaskan maksud syariah, fiqh, tasyri’ dan istilah lain yang berkaitan serta hubungkaitnya 2. Membincangkan keperluan terhadap syariah dan perbandingan Syariah dengan undang-undang ciptaan manusia. 3. Menerangkan peringkat-peringkat perkembangan perundangan Islam dari segi latar belakang, sumber-sumber hukum, faktor-faktor, kesan-kesan dan tokoh setiap peringkat perundangan Islam 4. Menjelaskan usaha ulama’ dalam kebangkitan semula fiqh pada zaman moden | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 10 | Hasil Pembelajaran (CLO) | Selepas menamatkan kursus ini, pelajar sepatutnya boleh:- | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **No** | **Hasil Pembelajaran (CLO)** | | | | | | | **Hasil Pembelajaran Program (PLO)** | | | | | | **Taksonomi dan Kemahiran Generik** | | | | | | | | | **Kaedah Penilaian** | | | |
| 1 | Menjelaskan maksud syariah, fiqh, tasyri’ dan istilah -istilah lain yang berkaitan serta hubungkaitnya | | | | | | | PLO1, PLO7 | | | | | | C2 | | | | | | | | | Kuiz, Ujian, Tugasan, Peperiksaan Akhir | | | |
| 2 | Menerangkan keperluan terhadap syariah dan perbezaan antara syariah dengan undang-undang ciptaan manusia. | | | | | | | PLO1, PLO4 | | | | | | C2 | | | | | | | | |
| 3 | Menghuraikan peringkat-peringkat perkembangan perundangan Islam dari segi latar belakang, sumber-sumber hukum, faktor-faktor, kesan-kesan dan tokoh bagi setiap peringkat perkembangan perundangan Islam | | | | | | | PLO1, PLO2, PLO5 | | | | | | C3 | | | | | | | | |
| 4 | Menjelaskan usaha ulama’ dalam kebangkitan semula fiqh pada zaman moden | | | | | | | PLO1, PLO7 | | | | | | C2 | | | | | | | | |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 11 | Pemindahan Kemahiran | **Kemahiran Yang Dibangunkan** | | | | | | **Kaedah Penilaian** | | | | | | | | | | | | **Bentuk Penilaian** | | | | | | | | |
| Menganalisa dan penyelesaian masalah | | | | | | Ujian, latihan, tugasan, projek berkumpulan, peperiksaan akhir | | | | | | | | | | | | Individu & b7kumpulan | | | | | | | | |
| Penulisan | | | | | | Menyelesaikan masalah | | | | | | | | | | | | Individu& berkumpulan | | | | | | | | |
| Pengurusan masa | | | | | | Tugasan | | | | | | | | | | | | Individu & berkumpulan | | | | | | | | |
| Komunikasi | | | | | | Soal jawab, perbentangan | | | | | | | | | | | | Individu & berkumpulan | | | | | | | | |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 12 | Pengajaran-Pembelajaran (PnP) dan Strategi Penilaian | **Pembelajaran & Pengajaran** | | | | | | **Strategi Penilaian** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Kuliah | | | | | | Soal-jawab, latihan, kuiz, ujian, peperiksaan akhir | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Tutorial/SCL/Pembelajaran Aktif | | | | | | Soal-jawab dan perbincangan | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Skil Praktikal | | | | | | Pembahagian tugas, kerjasama ahli, penyampaian, kandungan | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 13 | Sinopsis | Kursus ini membincangkan tentang konsep syariat, fiqh dan tasyri’ serta tahap-tahap perundangan dalam sejarah pemikiran Islam iaitu bermula pada zaman Rasulullah s.a.w. , zaman para sahabat, zaman para tabi’in, zaman ulama’ mujtahidin, zaman taklid dan kebekuan ijtihad serta zaman moden. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 14 | Mod Penyampaian | Kuliah, perbincangan, latihan, tugasan, soal jawab, pertemuan bersemuka dalam kelas | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 15 | Jenis Dan kaedah Penilaian | Penilaian dibuat melalui Markah Kerja Kursus dan Peperiksaan Akhir.  Markah Kerja Kursus dinilai sepanjang semester melalui ujian, kuiz, perbentangan dan projek akhir manakala peperiksaan akhir dibuat secara formal di akhir semester dan dikendalikan oleh Unit atau Jawatankuasa Peperiksaan yang dilantik. Pecahan markah bagi kerja kursus dan peperiksaan akhir adalah seperti berikut:-   |  |  | | --- | --- | | **MARKAH KERJA KURSUS:-**  Kertas kerja / tugasan  Ujian | **50%**  25%  25% | | **PEPERIKSAAN AKHIR** | **50%** | | **JUMLAH** | **100%** |   Kriteria prestasi penilaian summatif: Rujuk buku Panduan Pengajian Program Diploma KTD danbuku Peraturan Akademik Program Diploma KTD. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 16 | Pemetaan Kursus Kepada Objektif Program (PEO) |  | PEO1 | | | PEO2 | | | | | | *PEO3* | | | | | PEO4 | | | | | | | | | PEO5 | | |
| CO1 | ✓ | | |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | | | | | ✓ | | |
| CO2 | ✓ | | | ✓ | | | | | |  | | | | |  | | | | | | | | |  | | |
| CO3 | ✓ | | |  | | | | | | ✓ | | | | | ✓ | | | | | | | | |  | | |
| CO4 | ✓ | | |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | | | | | ✓ | | |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 17 | Pemetaan Kursus Kepada Hasil Pembelajaran Program (PLO) |  | PLO1 | | PLO2 | | PLO3 | | PLO4 | | | | PLO5 | | PLO6 | | | | | | PLO7 | | | PLO8 | | |  | |
| CO1 | ✓ | |  | |  | |  | | | |  | |  | | | | | | ✓ | | |  | | |
| CO2 | ✓ | |  | |  | | ✓ | | | |  | |  | | | | | |  | | |  | | |
| CO3 | ✓ | | ✓ | |  | |  | | | | ✓ | |  | | | | | |  | | |  | | |
| CO4 | ✓ | |  | |  | |  | | | |  | |  | | | | | | ✓ | | |  | | |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 18 | Kandungan Kursus dan SLT  K: Kuliah  *SCA*: Tutorial/Praktikal  A : Lain-lain  PK: Pembelajaran kendiri  M: Minggu pembelajaran | **M** | **TAJUK** | | | | | | | | | | | **K** | | | | | ***SCA*** | | | **A** | | | **PK** | | | **SLT** |
| 1 | Pengenalan kepada konsep syariah, fiqh dan tasyri’   * 1. Definisi syariah, fiqh dan tasyri’   2. Hubungkait antara fiqh, syariah dan tasyri’   3. Istilah-istilah lain yang berkaitan | | | | | | | | | | | 2 | | | | | 1.5 | | |  | | | 3.5 | | | 7 |
| 2 | * 1. Keperluan manusia kepada syariah   2. Perbezaan syariah dengan undang-undang ciptaan manusia.   **Peringkat-peringkat perkembangan perundangan Islam** | | | | | | | | | | | 2 | | | | | 1.5 | | |  | | | 3.5 | | | 7 |
| 3-4 | Perundangan pada zaman Rasulullah s.a.w.   * 1. Keadaan bangsa Arab jahiliyyah   2. Cara penurunan syariat   3. Al-Quran pada zaman Nabi   4. Al-Sunnah pada zaman Nabi   5. Ijtihad pada zaman Rasulullah | | | | | | | | | | | 4 | | | | | 3 | | | 1 | | | 7 | | | 15 |
| 5-6 | Perundangan pada zaman sahabat   * 1. Pensyariatan pada zaman sahabat (khulafa’ ar-rasyidin)   2. Keadaan pada zaman itu   3. Sumber 1: Al-Quran   4. Sumber 2: As-Sunnah   5. Ijtihad pada zaman sahabat   6. Tokoh-tokoh | | | | | | | | | | | 4 | | | | | 3 | | |  | | | 7 | | | 14 |
| 7-8 | Perundangan pada zaman tabi’in   * 1. Pensyariatan zaman tabi’in (hujung khalifah ar-Rasyidin hingga awal kurun ke 2)   2. Fenomena perpecahan di kalangan umat Islam   3. Kesan-kesan fenomena pada zaman ini   Tokoh-tokoh di kalangan tabi’in | | | | | | | | | | | 4 | | | | | 3 | | | 1 | | | 7 | | | 15 |
| 9-10 | Perundangan pada zaman ulama’ mujtahidin  5.1 Pensyariatan zaman ulama’ mujtahidin(dari awal kurun ke 2 sehingga pertengahan kurun ke 4)  5.2 Kegemilangan tokoh pada zaman imam mujtahid dan sebab-sebabnya.  5.3 Sumber-sumber fiqh pada zaman iman mujtahid.  5.4 Faktor-faktor kemunculan mazhab fiqh pada zaman ini  5.5 Fenomena perselisihan di kalangan fuqaha’, kesan kepada umat Islam dan pendirian kita terhadapnya. | | | | | | | | | | | 4 | | | | | 3 | | | 2.5 | | | 7 | | | 16.5 |
| 11-12 | Perundangan pada zaman taklid dan kebekuan ijtihad  6.1 Pensyariatan pada zaman taklid dan kebekuan ijtihad (pertengahan kurun ke 4 sehingga kejatuhan Baghdad)  6.2 Faktor-faktor berlaku taklid dan kebekuan ijtihad  6.3 Tokoh-tokoh pada zaman ini | | | | | | | | | | | 4 | | | | | 3 | | | 1 | | | 7 | | | 15 |
| 13-14 | Perundangan pada zaman moden  7.1 Pensyariatan pada zaman moden (pertengahan kurun ke 5 sehingga sekarang)  7.2 Usaha-usaha membangunkan pemikiran pada zaman moden (tajdid)  7.3 Tokoh-tokoh pada zaman ini | | | | | | | | | | | 4 | | | | | 3 | | |  | | | 7 | | | 14 |
| 15 | Peperiksaan | | | | | | | | | | |  | | | | |  | | | 2.5 | | | 14 | | | 16.5 |
|  | **Jumlah** | | | | | | | | | | | **28** | | | | | **21** | | | **8** | | | **63** | | | **120** |
|  |  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 19 | Rujukan | Rujukan Utama   1. Muhammad Fuad Muhammad Suwari, Dr, (2009),  *Al-Madkhal Ila Dirasah Al-Fiqh Al-Islami,* Kuala Lumpur : IIUM Press. 2. Al-Sayis, Muhammad Ali (2002), *Tarikh Al-Fiqh Al-Islami,* Dar Al-Furqan : Damsyiq.   Rujukan Tambahan   1. Al-Qattan, Manna’ (1997)*Tarikh al-Tasyri’ Al-Islami*, Beirut : Muassasah al-Risalah 2. Abdul Karim Zaidan (1992) *al-Madkhal ila ad-Dirasah al-Syariah al-Islamiah*, Baghdad : Maktabah al-Quds 3. Al-Asyqar, Umar Sulaiman (2005), *AL-Madkhal Ila Al-Syariah wa Al-Fiqh Al-Islami,* Amman : Dar Al-Nafais 4. Muhammad Abu Zuhrah (1996), *Tarikh Al-Mazahib AL-Fiqhiyyah,* Dar Al-Fikr Al-Arabi : Damsyiq 5. Al-Khudari, Muhammad (1991) *Tarikh Al-Tasyri’ al-Islami,* Beirut : Dar Al-Kutub Al-Ilmiah. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 20 | Maklumat Tambahan | Tiada | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |